अशोका एक्सप्रेस

ASHOKA
SMA - Ashoka Express Publication

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress
E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 27 ● अंक : 25 ● नई दिल्ली ● 09 से 15 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

महाराष्ट्र में बारिश का रेड अलर्ट

शहीद अंशुमान की मां राहुल से बोलीं- अग्निवीर बंद हो

***3 दिन पहले अंशुमान को कीर्ति चक्र मिला**
***राहुल ने रायबरेली के हनुमान मंदिर में पूजा की**

रायबरेली । नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और विभिन्न संगठनों से मुलाकात के अलावा सियाचीन में शहीद हुए कैप्टन अंशुमान सिंह के परिवार से भी मुलाकात की। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए शहीद की मां ने राहुल की तारीफ की साथ ही अग्निवीर योजना की मुखालफत की। उन्होंने बताया कि जिस तरह राहुल गांधी कह रहे हैं, उससे उम्मीद है कि अग्निवीर योजना खत्म होगी। मंजू सिंह ने कहा कि राहुल गांधी से मिलने के बाद लगा कि वे फौजियों को लेकर बहुत गंभीर हैं और उनके बारे में सोचते हैं। शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की मां मंजू सिंह बेटे को याद कर भावुक हो गईं। बताया कि अंशुमान उनके बड़े बेटे थे और अभी उनकी एक बेटी और बेटे छोटे हैं जो पढ़ रहे हैं। राहुल गांधी से प्रभावित हुईं मंजू सिंह ने बताया कि राहुल गांधी को उन्होंने राष्ट्रपति भवन में तब देखा था। जब वह शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह को मिले कीर्ति चक्र सम्मान को हासिल करने पहुंची थीं। बताया कि राहुल को जब वह संसद में बोलते हुए सुनती थीं तो इछा थी एक बार उनसे मिलने की। जब इछा जाहिर की तो फोन नंबर लिया और फिर रायबरेली में मिलने का समय मिला। मंजू सिंह ने कहा फौज में अग्निवीर योजना सही नहीं है। बताया कि राहुल गांधी से इस मसले पर बात हुई तो इस दौरान लगा कि वह इस योजना पर रोक लगा कर रहेंगे। शहीद कैप्टन अंशुमान के पिता रवि प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी एक अछे इंसान है। इसी कारण उनसे मिला हूं। बताया कि राहुल गांधी ने उनसे कहा कि जो बलिदान शहीद अंशुमान सिंह ने दिया है। उसका ऋणी पूरा देश रहेगा और आपके बेटे की शहादत पर पूरे देश को और कांग्रेस पार्टी को गर्व है। वहीं, राहुल गांधी ने आश्वासन दिया है कि कांग्रेस पार्टी परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का आरोप, बोले-

युवाओं को बेरोजगार बनाए रखना मोदी सरकार का एकमात्र मिशन

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक विकास दर और रोजगार सृजन से जुड़े कुछ आंकड़ों का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि युवाओं को बेरोज़गार बनाए रखना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का एकमात्र मिशन है। खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार, भले ही बेरोज़गारी पर सिटी ग्रुप जैसी स्वतंत्र आर्थिक रिपोर्टों को नकार रही हो, पर सरकारी आंकड़ों को कैसे नकारेगी सच ये है कि पिछले 10 साल में करोड़ों युवाओं के सपनों को चकनाचूर करने की ज़िम्मेदार केवल मोदी सरकार पर है। उन्होंने कहा, '' ताज़ा आंकड़े इस प्रकार हैं। एनएसएसओ (राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय) के सर्वेक्षण के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र में अनिगमित इकाइयों में सात वर्षों में 54 लाख नौकरियां ख़त्म हो गई हैं। वर्ष 2010-11 में पूरे भारत में 10.8 करोड़ कर्मचारी अनिगमित गैर-कृषि उद्यमों में कार्यरत थे, जो अब 2022-23 में 10.96 करोड़ हो गए हैं, यानी 12 वर्षों में केवल 16 लाख़ की मामूली वृद्धि है। उनके अनुसार, '' ताज़ा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में कहा गया है कि शहरी बेरोज़गारी दर 6.7 प्रतिशत है। मोदी सरकार कर्मचारी भविष्य निधि का डाटा दिखाकर औपचारिक इकाइयों में रोज़गार सृजन का ढ़ोल पीटती है, पर अगर हम वो डाटा सच भी मान लें तो भी 2023 में उसमें नई नौकरियों में 10 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। खरगे ने कहा कि 'सिटीग्रुप की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, देश में सालाना 1.2 करोड़ नौकरियों की ज़रुरत है, और सात प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर भी युवाओं के लिए पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं कर पायेगी, जबकि मोदी सरकार के तहत देश में औसतन केवल 5.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर है। उन्होंने आरोप लगाया, 'सरकारी नौकरियां हों या निजी क्षेत्र, स्वरोज़गार हो या असंगठित क्षेत्र - मोदी सरकार का एक ही मिशन है – युवाओं को बेरोज़गार बनाए रखना।

शहीद कैप्टन अंशुमन की पत्नी पर युवक ने उछाला कीचड़, एक्शन में आया एनसीडब्ल्यू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में सियाचिन की बर्फीली पहाड़ियों पर अपने साथियों को मौत के मुंह से बचाते वक्त जान गंवाने वाले भारतीय सेना के कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी स्मृति सिंह और मां को मरणोपरांत कीर्ति चक्र सौंपा. जैसे ही कीर्ति चक्र देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, हर कोई कैप्टन अंशुमन की बहादुरी की तारीफ कर रहा है. इतनी कम उम्र में विधवा हुई स्मृति के प्रति भी लोगों ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक शख्स ने उनकी वाइफ स्मृति सिंह को लेकर अभद्र टिप्पणी की. अब इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग भी सक्रिय हो गया है. एनसीडब्ल्यू ने इस शख्स पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है. 'अहमद के.' नाम के एक्स हेंडल से अंशुमन सिंह की वाइफ पर भद्दी टिप्पणी की गई, जिसके बाद सोशल मीडिया पर ही इस शख्स को लोगों ने जमकर खरी-खोटी सुनाई. राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को पत्र लिखकर इस शख्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है. पत्र में कहा गया है कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत इस शख्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए. आयोग ने दिल्ली पुलिस से इस संबंध में तीन दिन के अंदर रिपोर्ट देने के लिए कहा है. भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 का उपयोग महिला के खिलाफ अभद्र शब्द का प्रयोग करने पर होता है, जिसके तहत तीन साल जेल का प्रावधान है.

स्मृति सिंह ने पति कैप्टन अंशुमन सिंह के बारे में बताते हुए कहा, वो बहुत काबिल थे. वो मुझसे कहा करते थे कि मैं अपने सीने में पीतल लेकर मरूंगी. मैं कोई साधारण मौत नहीं मरूंगी. अपनी प्रेम कहानी को याद करते हुए उन्होंने कहा, हम दोनों ने एक ही कॉलेज से इंजीनियरिंग की. हम अपने कॉलेज के पहले ही दिन एक दूसरे से मिले थे. यह कोई नाटकीय बात नहीं है, लेकिन यह पहली नजर का प्यार था. एक महीने बाद, उसका चयन आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज में हो गया. वह बहुत इंटेलिजेंट लड़का था. उनके बाद हम आठ साल तक लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहे और फिर हमने सोचा कि अब हमें शादी कर लेनी चाहिए. जिसके बाद हमने शादी कर ली.

कठुआ में 5 जवानों के शहीद होने का बदला लेंगे, आतंकियों को भारत का सख्त संदेश

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादी हमले में 5 जवानों की मौत पर मंगलवार को 'गहरा दुख व्यक्त किया। वहीं, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा कि कठुआ हमले में 5 जवानों की मौत का बदला लिया जाएगा और भारत इसके पीछे की बुरी ताकतों को हराएगा। सोमवार को कठुआ के बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे और कई घायल हो गए थे। राजनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, इस कठिन समय में राष्ट्र उनके साथ मजबूती से खड़ा है। आतंकवाद विरोधी अभियान जारी है। हमारे सैनिक क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले में घायल हुए जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। रक्षा सचिव अरमाने ने भी हमले में 5 बहादुर सैनिकों की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की। अरमाने ने कहा, राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके बलिदान का बदला लिया जाएगा और भारत हमले के पीछे की बुरी ताकतों को हराएगा। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने अरमाने की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर साझा की।

मोदी 3.0 के एक महीने पूरे, कांग्रेस ने इन 10 मुद्दों को लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली । जैसे ही मोदी 3.0 सरकार ने एक महीना पूरा किया, कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार (9 जुलाई) को पश्चिम बंगाल में एक दुखद ट्रेन दुर्घटना, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों की एक श्रृंखला, एनईईटी घोटाला, एनईईटी पीजी को रद्द करना, यूजीसी नेट पेपर लीक, और दूध, दाल, गैस और टोल जैसी आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें सहित कई जरूरी मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। नरेंद्र मोदी ने 9 जून को राष्ट्रपति भवन में 72 मंत्रियों के साथ लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस पार्टी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नरेंद्र मोदी को प्रधान मंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लिए हुए एक महीना हो गया है।

इन मुद्दों पर कांग्रेस ने घेरा

- भीषण रेल हादसा
- जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला, 8 जवान शहीद, 10 से यादा लोगों की मौत
- नीट पेपर लीक
- नीट-पीजी रद्द
- यूजीसी-नेट पेपर लीक
- संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-नेट रद्द
- दूध, दालें, सब्जियां, गैस, टोल सब महंगे हैं
- रुपये में रिकॉर्ड गिरावट
- बेरोजगारी ने तोड़ा 8 महीने का रिकॉर्ड
- थोक महंगाई दर ने तोड़ा 15 महीने का रिकॉर्ड

अरविंद केजरीवाल की फिर बढ़ी मुसीबत, ईडी की चार्जशीट पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फिर मुसीबत बढ़ने वाली है. दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर सप्लीमेंटरी चार्जशीट पर संज्ञान लिया. इस मामले में 12 जुलाई को सुनवाई होगी. दरअसल, ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली शराब घोटाला केस में 7वीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है. इसमें ईडी ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को शराब नीति मामले की जांच में आरोपी बनाया है. राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लिया. अदालत ने अरविंद केजरीवाल के लिए 12 जुलाई को पेशी के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया. वहीं, सीबीआई मामले में दिल्ली उच न्यायालय ने पांच जुलाई को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा है. न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तारीख निर्धारित की. अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता के भागने का खतरा नहीं है और न ही वह आतंकवादी हैं. उन्होंने कहा कि सीबीआई ने केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय के धन शोधन मामले में जमानत मिलने के बाद गिरफ्तार किया है. सीबीआई की ओर से पेश वकील डीपी सिंह ने केजरीवाल की ओर से अधीनस्थ अदालत का रुख किए बगैर सीधे उच न्यायालय का दरवाजा खटखटाने पर आपत्ति जताई।

सम्पादकीय

वोट बैंक के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं दल

राजनीतिक दलों का पूरा प्रयास रहता है कि वोट बैंक एकजुट रहना चाहिए, इसके लिए बेशक तमाम कायदे-कानून और नैतिकता को ताक पर क्यों न रखना पड़े। इसका नया उदाहरण तमिलनाडु की डी.एम.के. की सरकार ने दिया है। वोट बैंक की खातिर मुख्यमंत्री स्टालिन की सरकार ने पिछले दिनों तमिलनाडु में अवैध जहरीली शराब पीने से मरने वालों के आश्रितों को 10-10 लाख रुपए की मुआवजा राशि देने की घोषणा तक कर डाली। जनहित याचिका के जरिए यह मामला मद्रास हाईकोर्ट पहुंचा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने इस मुद्दे पर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए पूछा कि गैर-कानूनी काम करने वालों को इतना यादा मुआवजा किस आधार पर देने का निर्णय लिया गया है। अदालत ने कहा कि दुर्घटना के मामले में मुआवजा दिया जा सकता है किन्तु अवैध शराब से मौत के मामले में ऐसा नहीं किया जा सकता। याचिका में कहा गया कि मजे के लिए अवैध शराब पीकर मरने वालों के परिजनों को मुआवजा देना उन्हें ऐसे गैर-कानूनी कामों के लिए प्रोत्साहित करना है। जहरीली शराब से मरने वाले स्वतंत्रता सेनानी या समाज सेवक नहीं थे, इन्होंने अपनी जान आम लोगों के भले के लिए नहीं दी, बल्कि अपने मजे लेने के कारण उनकी मौत हुई है। अदालत ने कहा कि सरकार को अपने फैसले पर पुर्नविचार करना चाहिए। आश्चर्य यह कि स्टालिन सरकार से गठजोड़ करने वाली कांग्रेस ने इस पर एक बार भी आपत्ति नहीं जताई। तमिलनाडु विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान ए.आई.ए.डी.एम.के. के सदस्यों ने कल्लाकुरिची जहरीली शराब कांड के मुद्दे को लेकर सवाल किए थे। इसके कारण पहले इन सदस्यों को एक दिन के लिए निलंबित किया गया था लेकिन अगले दिन हंगामे की स्थिति उत्पन्न होने के कारण उनको विधानसभा के पूरे सत्र से ही निलंबित कर दिया गया। स्टालिन सरकार की सहयोगी इंडिया गठबंधन की प्रमुख घटक कांग्रेस इस पर भी चुप्पी साधे रही। यह वही कांग्रेस है जिसने मणिपुर ड्क्षहसा के मुद्दे पर संसद ठप्प करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। संसद की कार्रवाई में गतिरोध उत्पन्न करने के कारण विपक्षी दल के 140 सांसदों को निष्कासन झेलना पड़ा था। इस पर विपक्ष ने खूब शोर-शराबा मचाया था। निष्कासन को लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा बताया गया। यह दोहरा मानदंड साबित करता है कि राजनीतिक दलों का स्वार्थ सिर्फ सत्ता तक सीमित है। राजनीतिक दल दिखावे के लिए ही लोगों की भलाई का दंभ भरते हैं। हकीकत यह है कि उन्हें वोट बैंक से मतलब है, इसके लिए बेशक किसी की जान जाए, खराब प्रवृत्तियों को प्रोत्साहन मिले या देश का नुकसान हो। सत्ता प्राप्ति के इस खेल में हर तरह का समझौता शामिल है, बस यह एहसास होना चाहिए कि वोट बैंक का फायदा मिल सकता है। सत्ता के लिए ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं। इसका दूसरा बड़ा और निर्लज उदाहरण उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान देखने को मिला था। मुख्यमंत्री अखिलेश की सरकार ने टाडा के आतंकियों से मुकद्दमा इसलिए वापस ले लिया कि इससे अल्पसंख्यकों के वोट को रिझाया जा सके। देश तोडने वाली इस हरकत पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को तो मानो सांप सूंघ गया था। सबकी नजरें अल्पसंख्यकों के वोट बैंक पर लगी हुई थीं। राजनीतिक दल सरेआम इस तरह की देशद्रोही हरकत भी कर सकते हैं, बशर्ते सत्ता में आने के लिए वोट मिलने चाहिएं। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के शासन के दौरान उत्तर प्रदेश में अपराध चरम पर था।

एक अछे अध्यापक का तबादला

ऐसा लगता है कि मेरी पीढ़ी का समय वापस लौट आया है और मैं बचपन में आ गई हूं। जहां यदि किसी अध्यापक-अध्यापिका के जाने के बारे में सुनते थे, तो फूट-फूट कर रोते थे। जितने पैसे जेब में होते थे, जोकि अक्सर ही बहुत कम होते थे, उनसे कुछ खरीद कर उन्हें कोई उपहार देने की कोशिश करते थे। घर में उगे फूलों की माला बनाकर लाते थे और उन्हें पहनाते थे। आजकल भी ऐसे कई वीडियो देखे हैं, जहां अध्यापकों के ट्रांसफर की बात सुनकर बचे उनसे लिपटकर फूट-फूट कर रोने लगे। उनसे न जाने को कहने लगे। उनसे फिर से आने का वायदा लेने लगे। उनके पीछे दौड़े। कई अध्यापक भी अपने आंसू नहीं रोक सके। पूरे के पूरे गांव के निवासी अध्यापकों को गांव के बाहर छोडने आए। उनके खेतों में जो कुछ उगा था। उसे भेंट में लेकर आए। जब तक अध्यापक आंखों से ओझल नहीं हो गए वहीं खड़े रहे।

लेकिन जिस घटना का जिक्र यहां करने जा रही हूं वह ऐसी अनोखी है कि उसे याद करके, बार-बार मन भर आता है। घटना तेलंगाना के मछरेली जिले के पोंकल गांव की है। वहां 53 वर्षीय अध्यापक जे. श्रीनिवास पिछले 12 वर्षों से सरकारी प्राइमरी स्कूल में पढ़ाते थे। जब वह यहां आए थे तो स्कूल में मात्र 12 बचे आते थे। बचों की संख्या बढ़ाने के लिए उन्होंने अथक प्रयास किए। माता-पिता को घर-घर जाकर समझाया कि अपने बचों को स्कूल भेजें। बचे पढ़ेंगे, तब ही बढ़ेंगे। उनके प्रयासों का ही परिणाम था कि अब स्कूल में पढने वाले बचों की संख्या 250 तक पहुंच गई। इस स्कूल में कक्षा एक से लेकर पांचवीं तक पढ़ाई होती है। पिछले दिनों श्रीनिवास का तबादला दूसरे स्कूल में कर दिया गया। बचों को जब यह पता चला तो वे बहुत नाराज हुए। वे अपने प्रिय अध्यापक के तबादले की बात को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे। बचों ने गुस्से में स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया। वे श्रीनिवास के पास जाकर रो-रोकर न जाने की प्रार्थना करने लगे, मगर श्रीनिवास ने कहा कि उनकी मजबूरी है। तबादला हुआ है, तो जाना ही पड़ेगा। वह सरकारी नियमों से बंधे हुए हैं। लेकिन अगली बात जो हुई उससे सभी हैरान रह गए। बचों ने अपने माता-पिता से कहा कि उनके प्रिय अध्यापक का तबादला हो गया है। वे भी अपने अध्यापक से उसी स्कूल में पढ़ेंगे, जहां वह जा रहे हैं। श्रीनिवास का तबादला 1 जुलाई को हुआ था। अगले दो दिन में 250 में से 133 बचे तीन किलोमीटर दूर उस स्कूल में जा पहुंचे जहां श्रीनिवास को भेजा गया था। इन बचों में कक्षा एक से पांचवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राएं थे। उस जिले के शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बचे अपने अध्यापकों से भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं यह तो पता है। लेकिन वे अध्यापक के लिए स्कूल ही छोड़ देंगे और स्कूल छोड़कर उस स्कूल में चले जाएंगे जहां अध्यापक जा रहे हैं, यह पहली बार सुना है। ऐसी तो कल्पना करना तक मुश्किल है। श्रीनिवास से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने विनम्रता से कहा, ''मैंने तो बस वही किया है, जो मेरा कर्त्तव्य था। कोशिश की कि बचों को खूब पढ़ा सकूं। उनकी समस्याओं का हल कर सकूं। उन्हें प्यार दे सकूं। बचों और माता-पिता ने मेरे ऊपर भरोसा जताया। मुझे स्नेह दिया। इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने यह भी कहा कि अब सरकारी स्कूलों में बहुत सी सुविधाएं हैं। मैं माता-पिता से अनुरोध करूंगा कि वे इनका लाभ उठाएं।''

पोंकल गांव के लोग श्रीनिवास की तारीफ करते नहीं अघाते। वे कहते हैं कि अगर ऐसे अध्यापक हर बचे को मिल जाएं तो बचों का भविष्य सुधर जाए। सच भी है अछे अध्यापक जीवन भर याद रहते हैं। इस लेखिका ने ऐसी अनेक घटनाएं देखी हैं कि कोई अध्यापक सड़क पर पैदल जा रहा है। अचानक उसके पास आकर सरकारी गाड़ी रुकती है। उसमें से कलैक्टर उतरता है। अपना परिचय देता है कि सर आपने मुझे पहचाना नहीं। आपने फलां सन में मुझे पढ़ाया था। जीवन में जो कुछ बना वह आपकी ही वजह से। सरकारी स्कूलों के बारे में अक्सर बेहद नकारात्मक खबरें आती हैं कि वहां अध्यापक पढ़ाते नहीं। वे कक्षा में ही नहीं आते या कि कुछ पैसे देकर किसी और को पढ़ाने भेज देते हैं। सरकारी स्कूलों की पढ़ाई का स्तर बेहद खराब है। ऐसी नकारात्मक खबरों, जिनमें से कुछ सच भी होंगी, का ही असर है कि लोगों के मन में सरकारी स्कूलों के प्रति यह राय बन गई है कि वहां बचों को पढ़ाने का मतलब उनका भविष्य खराब करना है। इसलिए वे अपने बचों को प्राइवेट स्कूलों में भेजते हैं और मोटी फीस चुकाते हैं। लेकिन सरकारी स्कूलों के बारे में यह अवधारणा श्रीनिवास जैसे अध्यापकों के कारण टूट जाती है। और श्रीनिवास ही क्यों ऐसे बहुत से अध्यापक और अध्यापिकाएं होंगी, जो सरकारी स्कूलों में रहते हुए भी अपने छात्रों के भविष्य का ख्याल करते होंगे। अछा पढ़ाते होंगे। बचों और उनके माता-पिता के बीच बहुत लोकप्रिय होंगे।

दूसरे अध्यापकों को भी ऐसे अध्यापकों से सीखने की जरूरत है। करके तो देखिए। बचों के रूप में आपको जीवन भर के प्रशंसक मिलेंगे।

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप हो इस वर्ष का बजट

वित्तीय वर्ष 2024-25 का पूर्णकालिक बजट माननीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा भारतीय संसद में 23 जुलाई 2024 को पेश किया जा रहा है। वर्तमान में भारत सहित विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी नीतियों का अनुसरण करते हुए अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। परंतु, हाल ही के वर्षों में पूंजीवादी नीतियों के अनुसरण के कारण, विशेष रूप से विकसित देशों को, आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीति की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत चूंकि व्यक्तिवाद हावी रहता है अतः स्थानीय समाज में विभिन्न परिवारों के बीच आपसी रिश्ते केवल आर्थिक कारणों के चलते ही टिक पाते हैं अन्यथा शायद विभिन्न परिवार एक दूसरे से रिश्तों को आगे बढ़ाने में विश्वास ही नहीं रखते हैं। कई विकसित देशों में तो पति-पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। अमेरिका में तो यहां तक कहा जाता है कि 60 प्रतिशत बचों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं होती है एवं केवल माता को ही अपने बचे का लालन-पालन करना होता है, जिसके कारण बचों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं यह बचे अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज में हिंसा की दर बढ़ रही है तथा वहां की जेलों में कैदियों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन देशों के नागरिक अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं एवं उन्हें उम्मीद है कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का हल भारतीय सनातन संस्कृति में से ही निकलेगा। अतः इन देशों के नागरिक अब भारतीय सनातन संस्कृति की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत में वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कुछ हद्द तक वामपंथी नीतियों का अनुसरण करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया था। परंतु, वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों ने बहुत फलदायी परिणाम नहीं दिए अतः बहुत लम्बे समय तक यह नीतियां आगे नहीं बढ़ सकीं। हालांकि बाद के खंडकाल में तो वैश्विक स्तर पर वामपंथी विचारधारा ही धराशायी हो गई एवं सोवियत रूस कई टुकड़ों में बंट गया। आज तो रूस एवं चीन सहित कई अन्य देश जो पूर्व में वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना रहे थे, ने भी पूंजीवादी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना लिया है। भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं पूरे विश्व के आर्थिक पटल पर भारत का डंका बजा करता था। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत के आसपास बनी रही है। उस समय पर भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित आर्थिक नीतियों का अनुपालन किया जाता था। मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण का बोझ, वित्तीय घाटा, बुजुर्गों को समाज पर बोझ समझना, बचों का हिंसक होना, सामाजिक तानाबाना छिनभिन्न होना आदि प्रकार की समस्याएं नहीं पाई जाती थीं। समाज में समस्त नागरिक आपस में भाईचारे का निर्वहन करते हुए खुशी खुशी अपना जीवन यापन करते थे। प्राचीन काल में भारत के बाजारों में विभिन्न वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके चलते मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं उत्पन्न ही नहीं होती थी। ग्रामीण इलाकों में कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे जहां खाद्य सामग्री एवं अन्य पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता रहती थी, कभी किसी उत्पाद की कमी नहीं रहती थी जिससे वस्तुओं के दाम भी नहीं बढ़ते थे। बल्कि, कई बार तो वस्तुओं की बाजार कीमत कम होती दिखाई देती थी क्योंकि इन वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति, मांग की तुलना में अधिक रहती थी। माननीय वित्तमंत्री महोदय को भी देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए बाजारों में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए न कि ब्याज दरों को बढ़ाकर बाजार में वस्तुओं की मांग को कम किए जाने का प्रयास किया जाए। विकसित देशों द्वारा अपनाई गई आधुनिक अर्थशास्त्र की यह नीति पूर्णत असफल होती दिखाई दे रही है और इतने लम्बे समय तक ब्याज दरों को ऊपरी स्तर पर रखने के बावजूद मुद्रा स्फीति की दर वांछनीय स्तर पर नहीं आ पा रही है। भारत को इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखानी चाहिए एवं आधुनिक अर्थशास्त्र के मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत को बाजार में वस्तुओं की मांग कम करने के स्थान पर वस्तुओं की आपूर्ति को बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए अर्थात आपूर्ति पक्ष पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे मुद्रा स्फीति तो कम होगी ही परंतु साथ ही अर्थव्यवस्था में विकास की दर भी और तेज होगी क्योंकि वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ते रहने से विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां बढ़ेंगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। परंतु यदि वस्तुओं की मांग में कमी करते हुए मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के प्रयास होंगे तो उत्पादों की मांग में कमी होने के चलते उत्पादों का निर्माण कम होने लगेगा, विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां कम होंगी एवं देश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ेगी। मांग में कमी करने के प्रयास सम्बंधी सोच ही अमानवीय है। इसी प्रकार, प्राचीन भारत में ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र के साथ ही कुटीर एवं लघु उद्योगों पर विशेष ध्यान दिया जाता था। कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे, इन कृषि उत्पादों के साथ ही इन कुटीर एवं लघु उद्योगों में निर्मित उत्पाद भी बेचे जाते थे। अतः ग्रामीण इलाकों से शहरों की पलायन नहीं होता था तथा नागरिकों को रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही उपलब्ध हो जाते थे। आज की परिस्थितियों के बीच कृषि क्षेत्र तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण इलाकों में ही रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हो सकें। जनता पर करों के बोझ को कम करने के सम्बंध में भी विचार होना चाहिए। भारत के प्राचीन शास्त्रों में कर सम्बंधी नीति का वर्णन मिलता है जिसमें यह बताया गया है कि राय को जनता पर करों का बोझ उतना ही डालना चाहिए जितना एक मधुमक्खी फूल से शहद निकालती है। अर्थात, जनता को करों का बोझ महसूस नहीं होना चाहिए। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 वर्ष के लिए प्रस्तुत किए जाने बजट में भी आवश्यक वस्तुओं पर लागू करों की दरों को कम करने के प्रयास होने चाहिए। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों को भी करों में छूट देकर कुछ राहत प्रदान की जानी चाहिए ताकि उनकी उत्पादों को खरीदने के क्षमता बढ़े। इससे अंततः अर्थव्यवस्था को ही लाभ होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों की खरीद की क्षमता बढ़ने से विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़ती है और अर्थव्यवस्था का चक्र और अधिक तेजी से घूमने लगता है। यदि किसी देश में अधिक से अधिक आर्थिक व्यवहार औपचारिक अर्थव्यवस्था के अंतर्गत किए जाते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र भी तेज गति से घूम रहा है तो ऐसी स्थिति में करों के संग्रहण में भी वृद्धि दर्ज होती है। अतः कई बार करों की दरों में कमी किए जाने के बावजूद कर संग्रहण अधिक राशि का होने लगता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि माननीया वित्त मंत्री जी के पास वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले बजट के रूप में एक अछा मौका है कि भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप आर्थिक नीतियों को लागू कर पूरे विश्व को पूर्व में अति सफल रहे भारतीय आर्थिक दर्शन के सम्बंध में संदेश दिया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

कई क्षेत्रों में इस वजह से हो रही कमल हासन की इंडियन 2 की एडवांस बुकिंग में देरी, प्रशंसक निराश

कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म इंडियन 2 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। फिल्म का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शंकर द्वारा निर्देशित यह सोशल थ्रिलर फिल्म अपने ट्रेलर और गानों के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। हालांकि, इसी बीच फिल्म के एडवांस टिकट बुकिंग को लेकर सिनेप्रेमियों में निराशा देखी गई है। रिपोर्ट की मानें तो अधिकांश भारतीय रायों में इंडियन 2 के लिए एडवांस बुकिंग अभी भी शुरू नहीं हुई है, टिकट केवल चुनिंदा स्थानों पर ही उपलब्ध हैं। इस तरह के हाई-प्रोफाइल सीक्वल के लिए यह देरी एक आश्चर्य की बात है, क्योंकि आम तौर पर प्रमुख रिलीज सिनेमाघरों में आने से कम से कम पांच दिन पहले प्री-बुकिंग शुरू कर देती हैं। सूत्रों का कहना है कि देरी, वितरकों और थिएटर मालिकों के बीच शर्तों पर असहमति के कारण हुई है। एडवांस टिकट बुकिंग में देरी से शंकर द्वारा निर्देशित फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे प्रशंसकों में निराशा फैल गई है।

कई लोग इस बात पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि यह झटका बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन और कमल हासन अभिनीत फिल्म के आसपास की समग्र चर्चा को कैसे प्रभावित कर सकता है। फिल्म की प्रभावशाली पृष्ठभूमि के बावजूद इंडियन 2 ने रिलीज से पहले उतना व्यापक उत्साह पैदा नहीं किया है जिसकी आम तौर पर उम्मीद की जाती है। निर्देशक शंकर की इंडियन 2 साल 1996 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म इंडियन का सीक्वल है। कमल हासन ने 1996 की फिल्म इंडियन में दो भूमिकाएं निभाई, एक पिता की और एक उनके बेटे की। पिता को एक अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी के रूप में चित्रित किया गया था, जो देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सजग व्यक्ति के रूप में भी काम करते हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और अछी कमाई की। वहीं अब कहा जा रहा है कि इंडियन 2 में भाग एक की कहानी को आगे बढ़ाया जाएगा। फिल्म के कलाकार के बारे में तो इसमें कमल हासन के साथ काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, सिद्धार्थ, समुथिरकानी, बॉबी सिम्हा, ब्रह्मानंदम और अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस और रेड जाइंट मूवीज ने मिलकर किया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने धुनें बनाई हैं। इंडियन 2 12 जुलाई को तीन भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

लव सिन्हा ने माता-पिता की सालगिरह की पोस्ट से सोनाक्षी को हटाया, भाई-बहन के बीच मतभेद की चर्चा तेज

अपनी बहन सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी में शामिल न होने के बाद लव सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर अपने माता-पिता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा को उनकी शादी की सालगिरह की बधाई दी। हालांकि, उन्होंने सोनाक्षी को पोस्ट से बाहर रखा और अपनी, अपने जुड़वां भाई कुश सिन्हा और उनके माता-पिता की एक तस्वीर साझा की। सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए लव ने अपने प्यार को व्यक्त किया और खुद को ऐसे माता-पिता के घर जन्म लेने के लिए धन्य बताया। उन्होंने लिखा, मेरे अद्भुत माता-पिता को शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं। हम आपके बच्चों के रूप में जन्म लेने के लिए धन्य हैं और हम आपके साथ बिताए हर पल के लिए आभारी हैं। सोनाक्षी और उनके बड़े भाई के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने की अफवाहें तब फैलने लगीं, जब सोनाक्षी ने 23 जून को जहीर इकबाल के साथ उनकी शादी में भाग नहीं लिया। बाद में उन्होंने एक्स पर शादी में शामिल न होने का कारण बताया। उन्होंने संकेत दिया कि जहीर इकबाल के पिता के राजनीतिक संबंध उनकी अनुपस्थिति के पीछे का कारण हो सकते हैं। उन्होंने लिखा, मैं क्यों नहीं आया, इसके कारण बहुत स्पष्ट हैं और कुछ लोगों के साथ मैं किसी भी तरह से नहीं जुड़ूंगा। मुझे खुशी है कि मीडिया के एक सदस्य ने पीआर टीम द्वारा प्रस्तुत की जा रही रचनात्मक कहानियों पर भरोसा करने के बजाय अपना शोध किया। सोनाक्षी और जहीर ने सात साल तक डेट किया और फिर उसी दिन शादी कर ली जिस दिन उन्हें प्यार हुआ था।

उन्होंने डबल एक्सएल फिल्म में स्क्रीन साझा की थी। शादी के बाद अपनी प्रेम कहानी साझा करते हुए कपल ने लिखा, इसी दिन, सात साल पहले (23-06-2017) हमने एक-दूसरे की आंखों में प्यार को उसके सबसे शुद्ध रूप में देखा और उसे थामे रखने का फैसला किया। आज उस प्यार ने हमें सभी चुनौतियों और जीत के माध्यम से मार्गदर्शन किया है... इस क्षण तक पहुंचाया है... जहां हमारे दोनों परिवारों और हमारे दोनों देवताओं के आशीर्वाद से... अब हम पति-पत्नी हैं। एक साक्षात्कार में शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने परिवार में चल रहे विवाद पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कुछ पारिवारिक मामलों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा था, पारिवारिक मामले परिवार के भीतर ही रहने चाहिए। जैसा कि मैंने कहा, किस परिवार में मतभेद नहीं होते? हम कुछ मुद्दों पर असहमत हो सकते हैं और बहस कर सकते हैं, लेकिन आखिरकार हम एक परिवार हैं और कोई भी हमें तोड़ नहीं सकता। शादी के दिन शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा बेटी सोनाक्षी के साथ नजर आए थे।

काकुड़ा से कड़ा मुकाबला करते दिखे रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म का नया पोस्टर जारी

सोनाक्षी सिन्हा और रितेश देशमुख की फिल्म 'काकुड़ा' एलान के बाद से ही सुर्खियों में छाई हुई है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया। वहीं, अब फैंस की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता रितेश देशमुख का नया पोस्टर जारी किया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने आदित्य सरपोतदार की फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें ककुडा को मैनहंटर और रितेश देशमुख उर्फ विक्टर को घोस्ट हंटर के रूप में दिखाया गया है। इस तीखे और डरावने मुकाबले में यह देखना बाकी है कि आखिर में कौन जीतेगा। इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, क्या विक्टर का अंग्रेजी तंत्र ककुडा के सामने टिक पाएगा? कोई जोखिम न लें, इस मंत्र पर टिके रहें- दरवाजा खुला रखो, शाम 7:15 बजे, हर मंगलवार। रितेश के अलावा ककुड़ा में सोनाक्षी सिन्हा, आशिफ खान और साकिब सलीम भी हैं। यह फिल्म रतोडी के भूतिया गांव के बारे में है, जहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं- एक बड़ा और एक छोटा। ककुड़ा के लिए छोटा दरवाजा खुला होना चाहिए। इससे पहले एक साक्षात्कार में रितेश देशमुख ने खुलासा किया कि उन्होंने काकुड़ा के लिए साइन किया, क्योंकि उन्हें लगा कि स्क्रिप्ट दिलचस्प थी। अभिनेता ने कहा कि यह एक हॉरर कॉमेडी है, लेकिन यह केवल डराने और हंसाने तक ही सीमित नहीं है। देशमुख ने बताया कि काकुड़ा एक ऐसी कहानी है, जिसमें बहुत सारा दिल है और यह पात्रों के बीच के रिश्तों के बारे में है। फिल्म के निर्माता रॉनी स्क्रूवाला ने साल 2021 की 20 जुलाई को फिल्म की शूटिंग शुरू होने का एलान किया था। हालांकि, दर्शकों को इसका लंबा इंतजार करना पड़ा है। इस फिल्म की रिलीज डेट दो साल से अटकी पड़ी थी और अब आखिर ओटीटी पर फिल्म आ रही है। यह फिल्म 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।

राखी के निधन की अफवाहें निकलीं झूठी, बेटी मेघना ने पारिवारिक तस्वीर साझा कर की ट्रोल्स की बोलती बंद

पिछले दो दिनों से मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में एक अफवाह चरम पर है कि अनुभवी अभिनेत्री राखी नहीं रहीं। हालांकि, अब इन अफवाहों पर उनकी बेटी मेघना ने विराम लगा दिया है। मेघना ने आज, 9 जुलाई को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर माता-पिता के साथ अपने परिवार की एक दिल छू लेने वाली तस्वीर साझा की। इस पिक्चर को देखने के बाद राखी के प्रशंसकों ने राहत की सांस ली है और पोस्ट पर दिल खोलकर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। मेघना गुलजार कवि-गीतकार गुलजार और अनुभवी अभिनेत्री राखी की बेटी हैं। वह एक मशहूर लेखिका, निर्देशक और निर्माता भी हैं। 9 जुलाई को मेघना ने एक खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर साझा की। फोटो में हम राखी और गुलजार को परिवार के साथ एक खूबसूरत समय बिताते हुए देख सकते हैं क्योंकि वे स्वादिष्ट स्नैक्स का आनंद लेते हुए मानसून का लुत्फ उठा रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए मेघना ने लिखा, समोसे, चाय और बारिश...ब्लिस! यह तस्वीर गर्मजोशी और सादगी बिखेरती है, जो भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे सम्मानित हस्तियों के निजी जीवन की एक दुर्लभ झलक है। चमकीले पीले रंग की कुर्ती में राखी अपने पोते को प्यार से समोसा खिलाती नजर आ रही हैं, जबकि गुलजार सफेद कुर्ता-पायजामा पहने हुए सौम्य मुस्कान के साथ उन्हें देख रहे हैं। राखी के पास बैठे मेघना के पति हंसी-मजाक और सौहार्द में हिस्सा लेते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए, विक्रांत मैसी ने एक लाल दिल और एक नजर ताबीज वाला इमोजी छोड़ा। वहीं, एक प्रशंसक ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, गुलजार साब को देखकर अछा लगा। हम जैसे उनके भक्तों के लिए उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी पोस्ट शेयर करते रहें। दूसरे ने लिखा, परिवार को और अधिक शक्ति!!! आप सभी रॉक करते रहो। अन्य लोगों को भी गुलजार परिवार की तारीफ करते हुए लाल दिल वाला इमोजी ड्रॉप करते देखा गया है। राजी और तलवार जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों के लिए जानी जाने वालीं मेघना गुलजार ने हमेशा अपने निजी जीवन के बारे में कम प्रोफाइल बनाए रखी है। यह दुर्लभ पोस्ट उनके माता-पिता के साथ साझा किए गए घनिष्ठ बंधन की एक झलक पेश करती है।

राखी, जो 1970 और 80 के दशक के दौरान बॉलीवुड पर राज करने वाली सितारा थीं, इन दिनों सार्वजनिक रूप से कम ही देखी जाती हैं, जिससे यह उपस्थिति उनके प्रशंसकों के लिए विशेष मायने रखती है। इसी तरह, गुलजार, जिनकी कविता और गीतों ने अनगिनत दिलों को छुआ है, अपने परिवार के साथ सुकून भरे पल बिताते नजर आए हैं।

जब अभिनेत्री सोनम खान के लिए मसीहा बने आदित्य चोपड़ा, फिल्म विजय के सेट पर ऐसे बचाई थी जान

80 से 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री सोनम खान ने फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा से जुड़ा दिलचस्प खुलासा किया है। विजय अभिनेत्री की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी, जिसमें उन्होंने दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया था। साल 1988 की इस फिल्म की शूटिंग को याद करते हुए सोनम ने बताया कि कैसे फिल्म निर्माता ने उन्हें डूबने से बचाया था। यह घटना एक महत्वपूर्ण दृश्य के फिल्मांकन के दौरान घटी थी और अगर आदित्य उसमें तुरंत हस्तक्षेप नहीं करते तो यह एक दुखद घटना में तब्दील हो सकती थी। फिल्म में एक यादगार दृश्य दिखाया गया था जहां सोनम को बिकिनी पहननी थी, जो उनके शुरुआती करियर में एक साहसिक पल था। इस सीन की शूटिंग पर विचार करते हुए, सोनम ने न्यूज 18 से बातचीत के दौरान खुलासा किया कि वह उस दिन लगभग डूबने वाली थीं, लेकिन आदित्य चोपड़ा की त्वरित कार्रवाई से उन्हें बचा लिया गया। यश चोपड़ा ने सोनम को बिकिनी सीन के बारे में पहले ही बता दिया था और उन्हें तैराकी सीखने की सलाह दी थी। फिल्म निर्माता की सलाह के बावजूद

सोनम ने बिना स्विमिंग सीखे सीन को करने की ठानी। यह दृश्य बेंगलुरु के एक होटल के पूल में शूट किया जाना था और सोनम इसे सिंगल-टेक शॉट के रूप में याद करती हैं, जहां उन्हें और ऋषि कपूर दोनों को अलग-अलग दिशाओं से पूल में कूदना था। वाक्ये को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैंने कभी तैराकी सीखने की जहमत नहीं उठाई, और हम बैंगलोर के एक होटल में शूटिंग कर रहे थे। यह एक शॉट वाला दृश्य था जहां ऋषि जी एक बिंदु से चल रहे थे, और मैं दूसरे स्थान से चल रही थी और हम दोनों को पूल में कूदना था।

सोनम ने याद करते हुए कहा, मैंने किसी को यह बताने की जहमत नहीं उठाई कि मुझे तैरना नहीं आता, इसलिए हम दोनों पूल में कूद गए और यह एक ही बार में हुआ। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे वह पानी से टकराने पर घबरा गईं, तैरने में असमर्थ हो गईं और ऋषि कपूर को पकड़ने लगीं। फिल्म क्रू ने शुरू में सोचा कि उनका संघर्ष दृश्य का हिस्सा था, जब तक कि आदित्य चोपड़ा खतरे को पहचानते हुए उन्हें बचाने के लिए पूरे कपड़े पहनकर पूल में नहीं कूद गए। सोनम ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, मैं पूल में कूद गई और तैरना नहीं जानती थी। मैं सचमुच ऋषि जी को पकड़ रही थी और उन्हें अपने साथ नीचे खींच रही थी। लोगों ने सोचा कि यह शॉट का हिस्सा था जब तक कि आदित्य चोपड़ा ने पूल में छलांग नहीं लगाई और मुझे बचाया। मेरे कारण ऋषि जी डूब सकते थे या अनजाने में मैंने उन्हें नुकसान पहुंचाया, यह एक भयानक अनुभव था। इसके बाद यश ने उन्हें जोरदार फटकार लगाई थी। सोनम की बात करें तो उन्हें अपने आठ वर्षों के करियर में 35 फिल्मों में काम किया। त्रिदेव, विश्वात्मा, अजूबा, आज के शहंशाह और इंसानियत जैसी फिल्मों से लोकप्रियता हासिल कने के बाद अभिनेत्री ने साल 1994 में बॉलीवुड से संन्यास ले लिया। हालांकि, अब सोनम पर्दे पर वापसी का विचार कर रही हैं।

लड़की-लड़की और लड़के-लड़के की शादी... सुप्रीम कोर्ट पहुंचे कई वकील की ये मांग, सीजेआई बोले- ऐसा नहीं हो सकता है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 9 जुलाई को वकीलों के मौखिक अनुरोध पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की है. आपको बता दें की 10 जुलाई यानी कल को ओपन कोर्ट में समलैंगिक विवाह (सेम सेक्स मैरिज) को वैध बनाने से इनकार करने वाले अपने बहुमत के फैसले की संविधान पीठ द्वारा समीक्षा की जाएगी. वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, नीरज किशन कौल, मेनका गुरुस्वामी, अधिवक्ता करुणा नंदी और अरुंधति काटजू जैसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने मौखिक उल्लेख के दौरान मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया कि समीक्षा याचिका की सुनवाई ओपन कोर्ट में की जाए, न कि उनके कमरों की गोपनीयता में जैसा कि आमतौर पर किया जाता है. हालांकि, सीजेआई ने कहा कि ऐसा नहीं किया जा सकता. वरिष्ठ अधिवक्ता एनके कौल ने 'विवाह समानता' निर्णय के खिलाफ समीक्षा याचिका का उल्लेख किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानून में वैध मानने से इनकार कर दिया था. सीजेआई ने पूछा की ओपन कोर्ट में समीक्षा कैसे की जा सकती है, आप जानते हैं कि यह चैंबर में होती है. पीठ ने कहा कि समीक्षा चैंबर में तय की जाती है और संविधान पीठ सुप्रीम कोर्ट के फैसले

को चुनौती देने वाली याचिका के गुण-दोष पर विचार करेगी. सीजेआई ने कहा की समीक्षा याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई की जाए या नहीं, इसका फैसला भी चैंबर में न्यायाधीशों द्वारा वकीलों के बिना किया जाता है. पुनर्विचार याचिका पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई करेगी, जिसमें न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, हिमा कोहली, बीवी नागरत्ना और पीएस नरसिम्हा शामिल हैं.

उल्लेखनीय है कि समलैंगिक विवाह पर फैसला सुनाने वाले पांच न्यायाधीशों की पीठ के दो न्यायाधीश, न्यायमूर्ति रवींद्र भट और एसके कौल, 2023 में सेवानिवृत्त हो गए हैं. पिछले साल अक्टूबर में, सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने भारत में समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के खिलाफ फैसला सुनाया था. इस मामले में याचिकाकर्ताओं में से एक पेटेंट वकील उदित सूद ने अक्टूबर 2023 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए समीक्षा याचिका दायर की. अक्टूबर 2023 में, सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से माना कि विवाह करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है और न्यायालय LGBTQIA+ व्यक्तियों को विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह करने के अधिकार को मान्यता नहीं दे सकता है. पांच न्यायाधीशों की पीठ ने विशेष विवाह अधिनियम, 1954 की वैधता को बरकरार रखा.

शीर्ष अदालत ने समलैंगिक जोड़ों के विवाह करने या नागरिक संघ बनाने के अधिकार को मान्यता देने से इनकार कर दिया.

डीयू का छात्र रेप के बाद कर रहा था ब्लैकमेल, लड़की के परिजनों ने दिल्ली से उठाया और फिर...

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व दिल्ली से एक लड़के का अपहरण कर उसे यूपी के बागपत ले जाए जाने के बाद उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. यह लड़का दिल्ली यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के बीए सेकेंड ईयर का स्टूडेंट था. मृतक की पहचान हिमांशु शर्मा के रूप में हुई है. उधर, आरोपी के परिवार का दावा है कि हिमांशु ने उनके घर की 19 वर्षीय लड़की का रेप किया था और उसे ब्लैकमेल कर रहा था. लड़के की मां ने इन आरोपों से इनकार किया है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मृतक की मां रजनी शर्मा ने कहा, आरोप झूठे हैं. यह लड़की का मामला नहीं है. लड़के के चाचा अनिल कुमार शर्मा ने कहा, हिमांशु को लड़की के फोन से शनिवार को कॉल आई थी. जब वह घर से निकला, लड़की के परिवार के चार-पांच सदस्यों ने उसका अपहरण कर

लिया और उसे बागपत ले जाकर, उसकी हत्या कर दी. उधर, पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. बागपत के एएसपी एनपी सिंह ने बताया कि लड़की की मां ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी बेटी के साथ हिमांशु ने रेप किया था और उसके बाद से उसे ब्लैकमेल कर रहा था. लड़की ने घटना की जानकारी अपने भाई को दी जो कि बागपत में रहता है. भाई और कुछ रिश्तेदार दिल्ली आए और महिला के फोन से मेसेज कर उसे लुभाया. उसके बाद उसे अगवा कर बागपत ले गए. वे उन्हें सबक सिखाना चाहते थे, लेकिन उसे इतना मारा कि उसकी मौत हो गई. पुलिस ने एफआईआर में लड़की के परिवार के सात सदस्यों का नाम लिखा है जिसमें लड़की की मां का नाम भी शामिल है. उनपर भारतीय न्याय संहिता की धारा 140 के तहत केस दर्ज किया गया है. ऐसी जानकारी मिली है कि रजनी अपने दो बचों हिमांशु और एक बेटी के साथ अकेली रह रही थी. वह छोटी सी दुकान चालती थी और कपड़े सिलकर घर चलाती थी. वे न्यू उस्मानपुर में रहते हैं. हिमांशु की मां का दावा है कि उन्हें शनिवार रात को घबराहट होने लगी, जब उनका बेटा जन्मदिन का न्योता मिलने पर घर से चला गया था. उन्होंने हिमांशु को कॉल किया लेकिन उसका फोन बंद आ रहा था. रजनी ने कहा, मैंने उसका रात 10 बजे तक इंतजार किया और फिर अपने रिश्तेदारों को खबर दी. करीब 10.30 बजे मेरे पड़ोस में रहने वाली एक महिला आई जिसने मुझे बताया कि मेरे बेटे का अपहरण हो गया है. रजनी ने कहा, महिला ने मुझे कहा कि अगर मैं अपना बेटा चाहती हूं तो मैं उसके साथ चलूं. वह मुझे बागपत ले गई. हमने एक कार देखी जिसमें दिल्ली का नंबर था. मेरा बेटा कार में था और हर तरफ खून ही खून था. हिमांशु की मां ने बेटे का किसी लड़की के साथ अफेयर होने की बात से इनकार किया. हालांकि साथ ही कहा कि अगर आरोपी के परिवार को उनके बेटे से दिक्कत थी तो उन्हें हमसे बात करनी चाहिए था.

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश, लोगों को उमस भरी गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली के कई हिस्सों में मंगलवार को भारी बारिश हुई, जिससे लोगों को पिछले कुछ दिनों की उमस भरी गर्मी से राहत मिली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के नोएडा और गाजियाबाद में भी भारी बारिश हुई तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिनों में और अधिक बारिश होने का अनुमान जताया है। तस्वीरों में गाजियाबाद में बारिश के बीच यात्रियों को जाते हुए दिखाया गया है। दिल्ली में बारिश का यह ताजा दौर ऐसे समय में आया है जब लगातार बारिश के कारण शहर में जनजीवन ठप्प हो गया था और बचों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली में 28 जून को 88 सालों में एक दिन में सबसे ज़्यादा बारिश हुई, जिससे शहर में जनजीवन ठप्प हो गया। दिल्ली के कई इलाके कई दिनों तक जलमग्न रहे और लोगों को बिजली और पानी की सुविधा नहीं मिल पाई। भारी बारिश के कारण दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 की छत भी गिर गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस बीच, भारी बारिश के कारण उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर और हरियाणा समेत उत्तर भारत में टमाटर की कीमतों में और बढ़ोतरी होगी। किसानों का कहना है कि मुरादाबाद क्षेत्र में भारी बारिश के कारण टमाटर की फसल को नुकसान हुआ है। यह क्षेत्र टमाटर की व्यापक खेती के लिए जाना जाता है, यहां से टमाटर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली एनसीआर और हरियाणा तक पहुंचता है।हालांकि, हाल ही में मुरादाबाद में हुई भारी बारिश ने खेतों में टमाटर नष्ट कर दिया है। टमाटर, आलू और प्याज की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जुलाई की बारिश शुरू होने के साथ ही सब्जियों की कीमतों में काफी उछाल आया है। जून में टमाटर की कीमतें 40 से 50 रुपए प्रति किलो थीं, लेकिन अब वे 75 से 80 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। इसी तरह आलू की कीमतें 25 से 30 रुपए प्रति किलो और आलू की कीमतें 40 से 45 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। कई रायों में भारी बारिश का असर सब्जियों की कीमतों पर पड़ा है।

दिल्ली में बढ़ा डेंगू का खतरा, 200 से ज्यादा मामले आ चुके हैं सामने, सौरभ भारद्वाज ने दिए ये निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली में डेंगू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी वजह से दिल्ली सरकार अब एक्शन मोड में दिखाई दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अधिकारियों को डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग और स्वच्छता अभियान तेज करने का निर्देश दिया और दिल्ली सरकार के अस्पतालों के प्रमुखों से अस्पतालों में डेंगू रोगियों के लिए दवाओं और बिस्तरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। मंत्री ने अस्पतालों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि डेंगू के मरीजों को मच्छरदानी मुहैया कराई जाए और डेंगू के लक्षण वाले मरीजों पर तुरंत ध्यान दिया जाए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सभी संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उनके अधीन क्षेत्रों में मच्छरों का प्रजनन न हो। अस्पतालों को संबंधित दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। केस बढ़ने पर विशेष वार्ड बनाने की तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग ने छात्रों को स्कूल में पूरी बाजू की शर्ट और पैंट पहनने की सलाह देने का निर्देश दिया। अब तक शहर में डेंगू के करीब 200 मामले सामने आ चुके हैं। एक बयान में, मंत्री के कार्यालय ने कहा कि बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों ने मंत्री को डेंगू रोगियों के लिए किए गए उपायों से अवगत कराया, जैसे कि अलग उपचार की व्यवस्था करना, बिस्तर आरक्षित करना और डेंगू और मलेरिया रोगियों के लिए अलगाव क्षेत्र स्थापित करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बीमारी न फैले। डेंगू मुख्य रूप से मानसून से जुड़ा हुआ है, जून और सितंबर के बीच मच्छरों का प्रजनन बढ़ जाता है, जब स्थिर पानी डेंगू वायरस के वाहक एडीज मच्छरों के लिए इष्टतम स्थिति प्रदान करता है। मामले आम तौर पर जुलाई और नवंबर के बीच बढ़ते हैं, और डेंगू का सबसे बुरा प्रकोप 2015 में हुआ था, जब शहर में 15,867 मामले दर्ज किए गए थे और 60 मौतें हुई थीं, जो कि एक विषैले तनाव के कारण असामान्य वृद्धि थी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्वास्थ्य विभाग जागरूकता अभियान चलायेगा।

देवेंद्र यादव का बीजेपी-आप पर साधा निशाना, कहा- दोनों ने दिल्ली में शिक्षकों के तबादले को बनाया सियासी इवेंट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बाद से राजधानी दिल्ली में कांग्रेस के तेवर बदले-बदले नजर आ रहे हैं. वह आम आदमी पार्टी के साथ बीजेपी पर भी लगातार हमलावर बनी हुई है. दिल्ली वासियों की समस्याओं का जितना जिम्मेदार कांग्रेस आप को मानती है, उतना ही दोषी वह बीजेपी को भी ठहरा रही है. यही वजह है कि कांग्रेस ने बीजेपी और आप के बीच आये दिन होने वाली तकरार पर आक्रामक रवैया अपना रखा है. दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आप और भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि राजधानी की मूल समस्याओं में शामिल जल संकट, जल भराव, गंदगी, और भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने की कोशिश में इन दोनों ही पार्टियों ने शिक्षकों के तबादले की साधारण प्रक्रिया को एक राजनीतिक इवेंट बना दिया है.दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद यादव ने आप पर निशाना साधते हुए कहा, यह आश्चर्य की बात है कि उपरायपाल द्वारा इतनी बड़ी संख्या में दिल्ली सरकार के स्कूली शिक्षकों के तबादले की जानकारी शिक्षा मंत्री को नहीं है. यह दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था पर केजरीवाल सरकार की निष्क्रियता और अदूरदर्शिता को दर्शाता है. उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया. जबकि दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमरा गई है. सेशन शुरू होने के समय किए गए शिक्षकों के तबादले से बचों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है. देवेंद्र यादव के मुताबिक आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच चल रही नूरा कुश्ती का खामियाजा दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि जब शिक्षा

व्यवस्था में टीचरों के तबादले की प्रक्रिया गर्मी छुटियों के दौरान होनी चाहिए थी, उसे उपरायपाल कार्यालय द्वारा सेशन शुरू होने के समय क्यों किया गया इससे बचों को पढ़ाई का नुकसान उठाना पड़ रहा है. इससे उनके अभिभावक भी परेशान हो रहे हैं. कांग्रेस नेता ने दिल्ली सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि सर्वोच शिक्षा व्यवस्था की दुहाई देने वाली शिक्षा मंत्री शायद भूल गई हैं कि 10वीं और 12वीं के परिणाम में दिल्ली किस पायदान है. वे शिक्षा क्रांति की बात करती हैं. जबकि वास्तविकता यह है कि 10 वर्षों में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर नीचे गिरा है. लाखों छात्रों के दिल्ली सरकार के स्कूल छोड़कर प्राईवेट स्कूलों में चले जाना ही उनकी शिक्षा क्रांति है.

तीन जिलों में सुधरेगा सीवरेज और पेयजल आपूर्ति सिस्टम, सीएम ने दी 340 करोड़ रुपये की मंजूरी

340 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं को मुख्यमंत्री ने दी स्वीकृति अंबाला नगर निगम में शामिल 11 गांवों में होगा सीवरेज नेटवर्क का विस्तार

चंडीगढ़। अंबाला, हिसार और फतेहाबाद जिले में सीवरेज और पेयजल आपूर्ति सिस्टम में सुधार होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 340 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं को मंजूरी दी है। अंबाला जिले में परियोजनाओं पर 166 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिनमें नगर निगम क्षेत्र में शामिल किए गए 11 गांवों में सीवरेज नेटवर्क का विस्तार, नया गांव में मौजूदा स्थल पर 1.25 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), कंवला गांव के लिए 1.40 एमएलडी एसटीपी तथा अंबाला शहर के देवीनगर में अंबाला ड्रेन के लिए 50 एमएलडी एसटीपी का निर्माण शामिल है।

हिसार जिले में अमृत 2.0 परियोजना के तहत हांसी शहर में पेटवाड माइनर के बजाय नहर की बरवाला ब्रांच से पानी की व्यवस्था की जाएगी, जिस पर 61 करोड़ रुपये से खर्च होंगे। आदमपुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और मौजूदा सीवरेज सिस्टम को मजबूत करने के लिए 65 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। फतेहाबाद जिले में जाखल शहर में पेयजल आपूर्ति योजना का विस्तार और एक नई जल आपूर्ति पाइपलाइन बिछाने की मंजूरी मिली है। इस पर सात करोड़ रुपये खर्च होंगे। रतिया शहर में पाइप लाइनों को बिछाना, पुरानी पाइप लाइनों को बदलना, संतुलन क्षमता जलाशय के लिए पंपिंग सेट की आपूर्ति और निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 41 करोड़ रुपये है।

हरियाणा में ऐप के जरिये नशा पीड़ितों को किया जायेगा ट्रैक, नशे के खिलाफ चलाया जाएगा विशेष अभियान

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में नशे के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जायेगा। इसको लेकर मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने सभी उपायुक्तों तथा पुलिस अधीक्षकों को राय में नशे की तस्करी में शामिल लोगों पर शिकंजा कसने के लिए एक महीने तक व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने वरिष्ठ नागरिकों और पुलिस अधिकारियों को हरियाणा को नशा मुक्त राय बनाने के राय सरकार के सपने को साकार करने के लिए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के भी निर्देश दिए। सूचना जुटाने की प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने उपायुक्तों को युवाओं को नशे के चंगुल से बचाने के लिए शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के साथ नियमित बैठकें करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) अपने-अपने जिलों में नशा मुक्ति केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। इसके अलावा, उन्होंने सभी हितधारक विभागों के साथ समन्वय बनाए रखने और नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ विभिन्न कार्यक्रमों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कार्य समूह बनाने की भी घोषणा की। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने हरियाणा के विभिन्न जिला अस्पतालों में 14 नशा उपचार सुविधाएं (ए.टी.एफ.) स्थापित करने की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत, इनमें से दो नशा उपचार सुविधाएं जिला झजर के बहादुरगढ़ और जिला फतेहाबाद के टोहाना में पहले ही स्थापित की जा चुकी हैं। राय में नशा मुक्ति केंद्रों के लिए एक सावधि रेटिंग प्रणाली विकसित करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। रेटिंग प्रणाली तैयार कर ली गई है, जिसकी स्वीकृति मिलनी बाकी है। प्रत्येक नशा मुक्ति केंद्र में मनोचिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए एक एस.ओ.पी. तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को भेज दी गई है

धर्मनगरी से अयोध्या के लिए शुरू हुई बस सेवा, रायमंत्री सुभाष सुधा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र से अयोध्या की राह आसान हो गई हैं। धर्मनगरी के राम भक्त अब अयोध्या में रामलला के दर्शन कर सकेंगे। कुरुक्षेत्र से अयोध्या के लिए बस सेवा मंगलवार को शुरू हुई। इस बस सेवा को पंचायत भवन से रायमंत्री सुभाष सुधा ने हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना किया। बस शुरु होते ही राम भक्तों की खुशी का ठिकाना न रहा। अब श्रीकृष्ण की कर्मनगरी और अयोध्या की रामलला नगरी का सीधा जुड़ाव हो गया है। यात्रियों की मांग के चलते पिछले लंबे समय से कुरुक्षेत्र डिपो की ओर से अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू किए जाने के लिए पत्राचार किया जा रहा था। यह बस सीतापुर, बरेली, और लखनऊ रूट से होते हुए अयोध्या पहुंचेंगी। रायमंत्री सुभाष सुधा ने बताया कि भारत तीर्थ स्थलों का देश है और तीर्थ स्थलों के दर्शन हर श्रद्धालु करना चाहता है। तीर्थ स्थलों का दर्शन करने से सुख की प्राप्ति होती हैं। अयोध्या में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ योजना शुरू की गई है, जिसके तहत अब निशुल्क रोडवेज की एसी बस के माध्यम से अयोध्या धाम की यात्रा करवाई जा रही हैं। बस शुरु होने से श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। अब श्रद्धालु अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे। इसके लिए यात्रियों के ठहरे से लेकर अन्य व्यवस्था की गई हैं। यात्री जोगिंद्र सिंह ने बताया कि अयोध्या के लिए बस सेवा शुरु होने से सभी श्रद्धालुओं में काफी खुशी हैं। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के साथ-साथ अन्य मंदिरों के दर्शन भी अब किए जा सकेंगे। अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू करना प्रदेश सरकार का सराहनीय कार्य हैं। यात्री ओमवती ने कहा कि अयोध्या जाने वाली बस में काफी अछी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। बस में एसी के साथ-साथ जलपान की व्यवस्था की गई हैं। इसके साथ-साथ एक किट भी प्रदान की जा रही हैं। इस राम भक्त अयोध्या के लिए धर्मनगरी से सफर कर सकेंगे। इस बस को शुरू करने के लिए लंबे समय से मांग थी। रोडवेज महाप्रबंधक शेर सिंह का कहना है कि यात्रियों की मांग के चलते अयोध्या के लिए बस सेवा शुरु की गई हैं, जिसे रायमंत्री सुभाष सुधा हरी झड़ी देकर पंचायत भवन से रवाना किया। अब अयोध्या में रामलला के दर्शन राम भक्त कर सकेंगे।

कार में बैठाकर की भ्रूण जांच, गर्भ में बताया बेटा, सोनीपत की टीम ने आरोपियों को दबोचा

सोनीपत । गाजियाबाद के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के पुल के नीचे कार में सोमवार को भ्रूण लिंग जांच करने का मामला सामने आया है। सोनीपत की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कार्रवाई कर आरोपी महिला दलाल को काबू कर लिया। आरोपी महिला गाजियाबाद के संजय नगर में ब्लड कलेक्शन सेंटर चलाती है। आरोपी महिला से 500 रुपये बरामद हुए हैं। अल्ट्रासाउंड करने वाला आरोपी चालक अपनी गाड़ी सहित भाग निकला। सिविल सर्जन डॉ. जयकिशोर ने उन्हें पकड़ने के लिए टीम का गठन किया। टीम में पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. सुमित कौशिक, डॉ. जितेंद्र शर्मा व डॉ. सुनील छिक्कारा को शामिल किया, साथ ही अल्ट्रासाउंड कराने के लिए महिला डिकॉय को तैयार किया गया। महिला डिकॉय का फोन पर संपर्क गाजियाबाद निवासी मीनाक्षी उर्फ मीनू त्यागी से हुआ। भ्रूण लिंग जांच कराने के लिए दलाल मीनाक्षी व डिकॉय के बीच 16 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। पहले उसने महिला डिकॉय से 35 हजार रुपये मांगे थे। उसने महिला डिकॉय को गाजियाबाद बुलाया। आरोपी महिला मीनाक्षी गाजियाबाद से सोमवार को उसे गाड़ी में बैठाकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर पहुंची। वहां उसने गाड़ी रुकवाने के बाद वह महिला डिकॉय को साथ लेकर पुल के नीचे चली गई। पुल के नीचे एक सेंट्रो कार खड़ी थी। उस दौरान कार के अंदर एएम गौड़ नाम के युवक ने बिना किसी कागजी कार्रवाई के महिला का अल्ट्रासाउंड किया और गर्भ में बेटा बताया। इसके तुरंत बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पुल के नीचे पहुंची। आरोपी चालक गाड़ी सहित भाग गया। टीम ने आरोपी महिला दलाल को काबू कर लिया और उसके पास से 500 रुपये बरामद किए। टीम ने आरोपी महिला दलाल मीनाक्षी को पुलिस को सौंपकर गाजियाबाद के मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया। मामले में जानकारी देते हुए सोनीपत की पीएनडीटी अधिकारी डॉक्टर सुमित ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी जिसमें गाजियाबाद में अभी भी लड़का और लड़के होने की जांच की बात सामने आई थी। सूचना के आधार पर गर्भवती महिला को भेजा गया था। 35 हजार में तय हुआ था, लेकिन 16 हजार में जांच की गई है।

ट्रक से टकराने के बाद कार में लगी आग; तीन जिंदा जले

(वेबवार्ता)

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ है। नेशनल हाईवे 152-डी पर एक कार में ट्रक से टकराने के बाद आग लग गई। कार सवार तीन लोग जिंदा जल गए, जबकि चौथा गंभीर रुप से झुलस गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे एनएच 152 डी पर गांव मुर्तजापुर के पास एक कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, टकराने के बाद कार में आग लग गई। आग लगने से कार सवार तीन लोग जल गए। पुलिस के मुताबिक, झजर के गांव मंजपुरा का आशीष और उसके तीन साथी स्विफ्ट कार से हिमाचल प्रदेश में परीक्षा देने जा रहे थे। जैसे ही वह नेशनल हाईवे 152-डी गांव मुर्तजापुर के पास पहुंचे तो आगे चल रहे ट्रक से उनकी गाड़ी टकरा गई। इसके बाद कार में आग लग गई। दर्दनाक हादसे में तीन लोग जिंदा जल गए। जबकि आशीष गंभीर रुप से झुलस गए। आशीष का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। अन्य तीन युवकों की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक अलग-अलग जगह के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, अभी आशीष बयान देने की हालत में नहीं है। नेशनल हाईवे 152 डी पर ट्राले से टकराने के बाद कार में लगी आग में जलने वाले तीन युवाओं में से दो रोहतक के रहने वाले हैं। इनमें 20 वर्षीय गौरव पुत्र अनिल कुमार वासी पिलाना व 21 वर्षीय आदित्य पुत्र राजू शामिल है जबकि तीसरे मृतक व घायल युवक की फिलहाल पुलिस शिनाख्त करने में जुटी है। घायल को भी कुरुक्षेत्र से रेफर कर दिया गया है। हादसा रात करीब 12 बजे का बताया जा रहा है, जहां से आरोपी ट्राला चालक हादसे के बाद फरार हो गया। सूचना मिलते ही पिहोवा पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और तीनों मृतको के शवों को कार से पोस्टमार्टम के लिए लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल के

रोडवेज कर्मचारियों का प्राइवेट बसों पर परमिट देने पर विरोध, 14 जुलाई को परिवहन मंत्री आवास का करेंगे घेराव

गोहाना । हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा के आह्वान पर सरकार द्वारा 262 मार्गों पर 3658 प्राइवेट बसों पर परमिट देने के विरोध में मंगलवार को रोडवेज के कर्मचारियों में भारी रोष है। गोहाना डिपो पर सांझा मोर्चा के बैनर तले रोडवेज कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए बताया कि सरकार बिना किसी की मांग के रोड़वेज विभाग में प्राइवेट बसों को परमिट देने जा रही है, उसे तुरन्त वापिस लिया जाए। नेताओं ने सरकार को स्पस्ट चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार इस पॉलिसी अगर वापिस नही लेती हैं तो 14 जुलाई को पूरे प्रदेश के सभी डिपो व सब डिपो के कर्मचारियों द्वारा परिवहन मंत्री आवास अम्बाला शहर में घेराव करके आगामी बड़े आंदोलन की घोषणा करने को मजबूर होंगे। सरकार एक तरफ तो बाचित के लिए बुला रही है दूसरी तरफ निजी परमिट दे रही है सरकार रोडवेज के कर्मचारियों के साथ वायदा खिलाफी कर रही है। हमारी मांग ये की निजी परमिट की बजाय रोडवेज के बेड़े में नई बसे शामिल की जाए। कर्मचारियों ने कहा वो लगातार पिछले कई दिनों से प्रदेश भर की आम जनता व

पंचायतों के माध्यम से व हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से सरकार से सरकारी बसों की मांग लगातार कर रही हैं। दूसरी ओर वर्तमान में जो प्राइवेट परमिट धारक वाली बसें चल रही हैं।

इन बसों में सरकार द्वारा दी जा रही किसी भी सुविधा को लागू नही किया जा रहा हैं। जिनकी शिकायते लड़कियों, बुजर्गों, आम जनता द्वारा समय-समय करने के बाद भी कोई सुनवाई नही हो रही हैं। रोड़वेज की सरकारी बसे से टैक्स के रूप में प्राइवेट परमिट धारक वाली बसों के मुकाबले सरकार के राजस्व कोष में हजारों रुपये यादा टैक्स जमा करवाती हैं। सरकारी बसों की बढ़ोतरी होने से बेराजगार बचों को रोजगार मिलता हैं।जबकि प्राइवेट बसों को परमिट देने से बेरोजगार बचों को कम वेतन देकर खिलवाड़ किया जा रहा हैं। सांझा मोर्चा सरकार से मांग करता है की बिना आम जनता, कर्मचारियों की मांग के जो प्राइवेट परमिट पॉलिसी थोपी जा रही हैं उसे तुरंत वापस लिया जाये नहीं तो कर्मचारी एक बार फिर प्रदेश भर में चक्का जाम करने पर मजबूर होंगे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने दिया वाटर कूलर

गोरखपुर।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय गोरखपुर द्वारा योगिराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सीएसआर के अंतर्गत ठंडे पेयजल हेतु वाटर कूलर प्रदान किया गया । इस वाटर कूलर का उत्घाटन गोरखपुर विकास प्राधिकरण के कुलपति श्री आनंदवर्धन जी एवं सचिव श्री यू पी सिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर यूनियन बैंक के क्षेत्र प्रमुख श्री मनीष प्रताप सिंह , उप क्षेत्र प्रमुख श्री शशांक कुमार एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे । ज्ञात हो कि योगिराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर जिले का एक महत्वपूर्ण अंग है जहां दैनिक आधार पर सरकारी एवं गैर सरकारी आयोजन एवं मीटिंग होती रहती है । यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं शासन के सामंजस्य से आने वाला प्रत्येक व्यक्ति इस सुविधा का लाभ ले सकेगा।

निर्वाचन के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों / कर्मचारियों को डीएम उमेश मिश्रा ने दिया प्रशस्ति पत्र

कुशीनगर ।

18वीं लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 का जनपद कुशीनगर में दिनांक 04.06.2024 को सकुशल समापन होने के पश्चात जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने निर्वाचन में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी के कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इस लोकतंत्र के महापर्व में जनपद कुशीनगर के 22000 से अधिक अधिकारी / कार्मिकों और 15 लाख मतदाताओं ने अपनी भागीदारी निभाई। लोकतंत्र के महापर्व की सफलता में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और ईमानदारी प्रशंसनीय रहा है। इस समन्वित प्रयास के दौरान हमने न केवल मतदान पार्टी प्रस्थान व मतगणना के दिन प्रतिकूल मौसमी प्रभाव के बावजूद सकुशल कर्तव्य सम्पादन किया, अपितु चुनाव को सुलभ बनाने के लिए नवाचार प्रयोग यथा बूथ पर पेयजल, छाया इत्यादि की व्यवस्था स्थापित कराना, सुविधा किट तथा वोटर साथियों के सहयोग से हमारे प्रयासों की व्यापक रूप से सराहना हुई। आप द्वारा कार्मिकों/अधिकारियों के व्यवस्थित प्रबंधन, अनुशासन स्थापित करने तथा चुनाव के प्रत्येक चरण में सभी से समन्वय स्थापित करते हुए चुनाव को शांतिपूर्ण एवं मापदण्ड के अनुरूप सफल बनाने हेतु आपका आभार व्यक्त करना है। मै रिटर्निंग ऑफिसर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुशीनगर के रूप में आपके समर्थन, अथक प्रयास एवं सहयोग के लिए आपका एवं आपकी टीम का आभार व्यक्त करने के साथ सबके उजवल भविष्य की कामना भी करता हु। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद जफर, समस्त विधानसभावार सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के साथ साथ जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता, अपर जिला सूचना अधिकारी राहुल कुमार तथा समस्त नोडल अधिकारी , निर्वाचन कार्यालय के भीम सिंह, सैयद कमाल रिजवी, शशि मधेसिया, मकसूद अहमद सहित कुल 53 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

महिला जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कुशीनगर।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर के अपर जिला जज / सचिव शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी द्वारा दीवानी न्यायालय परिसर में ए0डी0आर भवन में महिला ह्याइजिन एवं सेनेटरी पैड विषय पर जनजागरूकता शिविर आयोजन किया गया। इस शिविर में महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरीत किया गया। परिवार नियोजन हेतु कंडोम और माला एन गर्भ निरोधक गोलियां वितरीत की गयीं और महिलाओं को साफ-सफाई, सुरक्षा तथा माहवारी के दिनों में साफ-सफाई रखने हेतु जागरूक किया गया। इसी क्रम में बालिकाओं के सुरक्षा तथा उनकी शिक्षा हेतु इस शिविर के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही लिंग चयन तथा महिला उत्पीड़न सम्बन्धि सामाजिक दोष एवं अपराध को जड़ से उन्मुलित करने हेतु जनजागरूकता एवं महिलाओं के अधिकार विषय पर जानकारी दी गयी। इस शिविर में आमजनमानस महिलायें तथा न्यायालय की महिला अधिवक्तागण उपस्थित रहीं और विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकार को समझते हुये महिलाओं द्वारा प्रश्न भी पूछा गया जिसका सचिव शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी द्वारा प्रश्नों के उत्तर देते हुये उनके अधिकारों के साथ-साथ उनकी जिज्ञासाओं के प्रति समूचित विधिक जानकारी दी।

बेअसर हो रही मंगलवार बंदी, खुल रही आंशिक रूप से दुकानें

व्यापार मंडल इस पर क्या निर्णय लेता है यह देखने वाली बात है

भटनी देवरिया।

भटनी नगर में मंगलवार की बंदी बेअसर दिख रही है क्योंकि कुछ लोग अपनी दुकानें बंदी को दरकिनार करते हुए आंशिक रूप से खोल रहे हैं। कुछ ही दिन व्यापार मंडल ने मीटिंग कर इस बंदी का पालन करने के लिये लोगों को दिशा निर्देश दिया था और इस सम्बंध में रिक्शे से अनाउंस भी करवाया था। इसके बाद भी कई लोग दुकान का शटर गिराने से परहेज़ कर रहे हैं। अब व्यापार मंडल इस पर क्या निर्णय लेता है यह देखने वाली बात है।

महिला एवं बाल विकास द्वारा आनलाइन प्रशिक्षण प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सन्दर्भ में किया गया

देवरिया ।

विकास भवन के गाँधी सभागार में निदेशालय महिला एवं बाल विकास द्वारा प्रस्तावित आनलाइन प्रशिक्षण प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सन्दर्भ में किया गया। प्रशिक्षण में योजना के अन्तर्गत आने वाले लाभार्थियों एवं उसके लाभों का विस्तृत विवेचना निदेशालय के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था एवं प्रसव के बाद सरकार द्वारा सहायता प्रदान करती है। योजना की प्रमुख शर्तों के अन्तर्गत प्रथम बच्चे के जन्म पर चाहे वह बालक हो या बालिका दो किश्तो प्रथम गर्भावस्था का पंजीकरण पर तीन हजार रुपए, द्वितीय बचे के जन्म पर दो हजार रुपए दिया जायेगा तथा दूसरे बचे के जन्म पर जो अनिवार्यतः बालिका होनी चाहिए बची के जन्म पर 06 हजार रुपए प्रदान किया जायेगा। उक्त प्रधानमंती मातृ वंदना योजना 2.0 का प्रमुख उद्देश्य बेहतर माह पोषण जो गर्भवती एवं धात्री माताओ के स्वास्थ्य पोषण व्यवहार में सुधार लाना, द्वितीय आंशिक वित्तीय सहायता पर्याप्त पोषण एवं देखभाल हेतु, तृतीय कन्या जन्म के प्रति साकारात्मक दृष्टिकोण यदि दूसरी संतान बालिका हो तो सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहन के लिए है। प्रशिक्षण में जिला कार्यक्रम् अधिकारी कृष्णकांत राय, बाल विकास परियोजना अधिकारी राजेन्द्र कुमार,सत्येन्द्र सिंह, दयाराम, विश्व दीपक पाण्डेय एवं जनपद की समस्त मुख्य सेविकाएं उपस्थित रही।

नव चयनित लेखपालों को वितरित किया जायेगा नियुक्ति पत्र, लखनऊ से दिखाया जायेगा सीधा प्रसारण

कुशीनगर ।

अपर जिलाधिकारी (वि/रा) वैभव मिश्रा ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा अयोजित लेखपाल चयन परीक्षा-2022 के आधार पर लेखपाल पद पर चयनित एवं संस्तुत लेखपालों को दिनांक 10.07.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से 12:00 बजे के मध्य लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित एक समारोह में मा0मुख्यमंत्री जी के कर कमलों द्वारा नव चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण किया जाना है। उका कार्यक्रम की भाँति जनपद के नवचयनित लेखपालों का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम जनपद स्तर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कर, उक्त कार्यक्रम में लोक भवन सभागार, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का पूर्वान्ह 11:00 बजे से 12:00 बजे एक Live Telecast कराया जायेगा।

उक्त कार्यक्रम के समापनोपरान्त जनपद के नवचयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र का वितरण मा0 मंत्रीगण / जनप्रतिनिधियों के कर कमलों से कलेक्ट्रेट सभागार कुशीनगर में कराया जायेगा।

घर के पास ही मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं- शशांक मणि

देवरिया।

देवरिया सांसद ने निक्षय स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारम्भ
नेशनल मेडिकल मोबाईल यूनिट की टीम ने लोगों को दी स्वास्थ्य सेवाएं

देवरिया सांसद शशांक मणि ने मंगलवार को बैतालपुर ब्लॉक के हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर चतुर्भुज पर आयोजित निक्षय स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ किया। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शिविर में मोबाईल डिजिटल एक्स-रे मशीन से एक्स-रे की सुविधा प्रदान की गई है। इसके साथ ही ब्लड जाँच सहित नेशनल मेडिकल मोबाईल यूनिट की टीम के चिकित्सक, लैब टेक्नीशियन, स्टॉफ नर्स द्वारा शिविर में आए मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ निशुल्क दवाएं भी दी गई। शिविर लगाकर लक्षण वाले 131 लक्षण वाले मरीजों का एक्स-रे किया गया। जिसमे आठ टीबी के संभावित मरीज मिले। इसके साथ ही 18 लोगों को बलगम का सैम्पल जांच के लिए लिया गया। स्वास्थ्य शिविर में लोगों को सम्बोधित करते हए सांसद शशांक मणि ने कहा कि वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में टीबी की जांच के लिए घर के पास ही निक्षय स्वास्थ्य शिविर में मोबाईल डिजिटल एक्स-रे मशीन से एक्स-रे की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को और भी बेहतर करने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक मरीज को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं पारदर्शी ढंग से उपलब्ध करायी जा रही है। स्वास्थ्य शिविर में रोगियों के जाँच व उपचार कि सुविधा एक ही स्थान पर मिल रही है। रोगियों को जाँच के लिए अब इधर उधर अस्पतालों में भटकना नहीं पड़ेगा।

इस दौरान सांसद ने शिविर में डिजिटल एक्स-रे मशीन से हो रहे एक्स रे की जानकारी लिया। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पौधरोपण भी किया। सीएमओ डॉ राजेश झा ने कहा कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में हर माह दस हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर निक्षय शिवर लगाए जायेंगे। यह शिविर वहां लगाए जायेंगे जिन स्थानों पर चिकित्सक नहीं हैं। जिसमे रोगी के ब्लड जाँच, एक्स-रे के साथ ही निशुल्क दवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा शिविर जिले में पहली बार आयोजित किया गया है। शिविर में एमओआईसी डॉ मनीष सिंह, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल, सीएचओ विभा यादव, एक्स-रे टेक्नीशियन सुपाल विश्वकर्मा, विश्वजीत ओझा, एएमएमयू टीम के डॉ. केडी अंसारी, फार्मासिस्ट रवि प्रकाश गलहोत, एलटी चन्द्रकमल, स्टॉफ नर्स रीता पासवान, जावेद मिर्जा, पायलट दीपक पण्डे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जननायक, राहुल गांधी

अनागरिक
गीता भारती

मैं भारत की आवाज हूँ।

सच बोलने से कोई रोक नही सकता।

गर्व से कहो हम हिन्दू-भारतीय हैं।

ना डरेंगे ना डराएंगे, सविंधान बचाएंगे।

महेन्द्र सिंह, अध्यक्षः दिल्ली प्रदेश

रिपब्लिकन मज़दूर संगठन

निवेदकः-

किराड़ी जिला कांग्रेस कमेटी

विजय कुमार भारती

किराड़ी जिला, महासचिव/पत्रकार

SakshamBharat.printer's

उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड कार खरीदना हुआ सस्ता, 2 लाख रुपए सस्ती हुई मारुति की ग्रैंड विटारा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड कार खरीदना अब सस्ता हो गया है क्योंकि इस तरह की कारों की कीमत 4 लाख रुपए तक घट गई है। कीमत घटने की असली वजह ऐसे वाहनों का पंजीकरण शुल्क शून्य करने का राय सरकार का फैसला है। वाहन उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि स्वछ तकनीक को बढ़ावा देने के इरादे से योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह फैसला किया है, जिसके बाद पेट्रोल-डीजल तथा बैटरी के जरिये चलने वाली हाइब्रिड कारों की कीमत घट गई हैं। उत्तर प्रदेश में पिछले वित्त वर्ष के दौरान हर महीने करीब 100 हाइब्रिड कार बिकी थीं। राय सरकार ने वाहन पंजीकरण शुल्क में छूट देने के लिए हाइब्रिड वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों के बराबर रखने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के सबसे बड़े बाजारों में शुमार है और इस नई छूट से यहां महंगी हाइब्रिड गाड़ियों की बिक्री को भी दम मिलने की उम्मीद है। उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड कारें छोटी दूरी का सफर इलेक्ट्रिक मोटर से ही पूरा कर लेती हैं, जबकि माइल्ड हाइब्रिड कारों के लिए पेट्रोल-डीजल इंजन जरूरी होता है। पहले ईवी का पंजीकरण मुफ्त में होता था मगर 10 लाख रुपए से कम के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों पर 8 फीसदी पंजीकरण और इससे अधिक कीमत के वाहनों पर 10 फीसदी पंजीकरण शुल्क देना पड़ता था। अब पंजीकरण शुल्क हटने पर उत्तर प्रदेश में इन हाइब्रिड गाड़ियों की एक्स-शोरूम कीमत करीब 10 फीसदी तक कम हो गई है। एक सूत्र ने बताया, 'उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश जुलाई से प्रभावी हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मारुति ग्रैंड विटारा करीब 2 लाख रुपए सस्ती हो गई है। इसी तरह मारुति इनविक्टो की कीमत भी करीब 3 लाख रुपए घट गई है।' सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2023 में नोएडा में 900 इलेक्ट्रिक कारें बिकी थीं। पिछले वर्ष यह शहर देश के शीर्ष 20 इलेक्ट्रिक कार बाजारों में शामिल था। उनका कहना है कि हाइब्रिड कारों पर पंजीकरण शुल्क माफ किए जाने से उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री पर भी असर पड़ सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग पॉइंट की चिंता रहती है, जिस कारण उनकी बिक्री में इजाफे की रफ्तार सुस्त है।

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत, सेंसेक्स 80,100 के ऊपर-निफ्टी 24350 के पार जाकर खुला

बिजनेस डेस्क । भारतीय शेयर बाजार की दमदार शुरुआत हुई है और सेंसेक्स ने फिर से 80,000 के पार जाकर ओपनिंग दिखाई है. निफ्टी भी 24350 के ऊपर जाकर खुला है. निफ्टी में ऑटो शेयरों की बढ़त से सपोर्ट मिल रहा है और इसमें सबसे यादा हाथ मारुति सुजुकी का है, ये स्पष्ट रूप से निफ्टी का हॉट स्टॉक बना हुआ है.बीएसई का सेंसेक्स 146.83 अंक या 0.18 फीसदी की बढ़त के साथ 80,107 पर खुला है. एनएसई का निफ्टी 30.45 अंक या 0.13 फीसदी की बढ़त के साथ 24,351 के लेवल पर ओपन हुआ है सेक्टोरल इंडेक्स में सभी निफ्टी इंडेक्स तेजी के साथ बढ़त के हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं. मारुति सुजुकी की तेजी के दम पर ऑटो सेक्टर उछाल दिखा रहा है. निफ्टी बैंक, आईटी, पीएसयू बैंक, मेटल, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस सहित सभी सेक्टर बढ़त पर हैं. रियल्टी इंडेक्स ओपनिंग में तेजी पर था जो तुरंत सपाट जोन में फिसलता दिखाई दिया है.बीएसई का मार्केट कैप

451.97 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है और इस तरह एमकैप 452 लाख करोड़ रुपये की तरफ बढ़ गया है. बीएसई पर कुल 3267 शेयरों में ट्रेड हो रहा है जबकि इसमें से 2070 शेयर बढ़त पर हैं. 1065 शेयर गिरावट पर तो 132 शेयर बिना किसी बदलाव के साथ ट्रेड कर रहे हैं. 145 शेयरों पर अपर सर्किट लगा है और 57 शेयरों पर लोअर सर्किट है. 194 शेयर ऐसे हैं जो 52 हफ्ते की ऊंचाई पर हैं और 12 शेयर इतने ही समय के निचले स्तर पर हैं. रेलवे शेयरों में जबरदस्त तेजी का सिलसिला जारी है और आरवीएनएल आज भी 7.34 फीसदी और आईआरएफसी 3 फीसदी की उछाल के साथ कारोबार कर रहा है. रेलवे शेयरों की लगातार उछाल से रेलवे शेयरों में खूब लिवाली देखी जा रही है. सेंसेक्स के 30 मे से 19 शेयरों में उछाल देखा जा रहा है और 11 शेयरों में गिरावट बनी हुई है. मारुति के शेयर 4.77 फीसदी ऊपर हैं और टॉप गेनर्स बने हुए हैं. अडानी पोर्ट्स 1.45 फीसदी चढ़ा है और टाइटन 1.38 फीसदी चढ़े हैं. एमएंडएम 1.05 फीसदी और एलएंडटी 0.78 फीसदी की तेजी पर हैं. गिरने वाले शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट 0.55 फीसदी नीचे है और इंडसइंड बैंक 0.50 फीसदी गिरावट पर है. रिलायंस इंडस्ट्रीज में 0.49 फीसदी तो जेएसडब्ल्यू स्टील में 0.48 फीसदी की कमजोरी पर ट्रेड हो रहा है. बजाज फाइनेंस 0.40 फीसदी नीचे है. निफ्टी के 50 में से 28 शेयरों में उछाल है और 22 शेयरों में गिरावट है. मारुति यहां भी टॉप गेनर है और 4.75 फीसदी ऊपर है. अडानी पोर्ट्स 1.40 फीसदी, टाइटन 1.26 फीसदी, सिप्ला 1.25 फीसदी और अडानी एंटरप्राइजेज 0.98 फीसदी की बढ़त पर है. निफ्टी के गिरने वाले शेयरों में डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज 1.44 फीसदी फिसला है और इंडसइंड बैंक 0.54 फीसदी टूटा है. ओएनजीसी में 0.50 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.45 फीसदी और श्रीराम फाइनेंस में 0.43 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है. बाजार में चढ़ने वाले और गिरने वाले शेयरों का अनुपात देखें तो निफ्टी में 1346 शेयरों में तेजी देखी जा रही है जबकि 304 शेयरों में गिरावट बनी हुई है.

अछी बारिश से खिले किसानों के चेहरे, खरीफ फसल की बुआई ने पकड़ी रफ्तार

बिजनेस डेस्क । खरीफ फसल की बोआई पिछले सप्ताह तक पिछले साल से लगातार बेहतर बनी रही है। जुलाई में मॉनसून के गति पकड़ने के साथ कृषि इनपुट कंपनियां इस सीजन में बिक्री में 10 से 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक 5 जुलाई तक खरीफ फसलों की बोआई 378 लाख हेक्टेयर से यादा क्षेत्र में हो चुकी है। खरीफ फसल की बोआई पिछले साल की तुलना में 14.10 प्रतिशत अधिक हुई है। जीएसपी क्रॉप साइंस के कार्यकारी निदेशक तीर्थ शाह ने कहा, 'मॉनसून के पहले आने और बेहतर बारिश के अनुमान को देखते हुए इस खरीफ सीजन में प्लांट केमिकल्स की मांग और बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। मौसम अनुकूल रहने के साथ किसान अपनी खेती का रकबा बढ़ा सकते हैं। खासकर धान, सोयाबीन और कपास की फसल का रकबा बढ़ने की संभावना है।' चालू सीजन में सबसे बेहतरीन बोआई दलहन फसलों की हुई है। दलहन फसलों का रकबा पिछले साल की सामान्य अवधि से 50 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ा है।